परिचय

बिजली विभाग रेलवे प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। यह विभाग स्टेशन क्षेत्र, आवासीय क्षेत्र, यात्री आरक्षण केन्द्र, कार्यालय, अस्पताल, विश्राम गृह इत्यादि में बिजली सप्लाई के लिए उत्तरदायी है। यह गाड़ियों में प्रकाश व्यवस्था, वातानुकूलित डिब्बों का रख–रखाव, वाटर कूलर, कार्यालयों, अस्पतालों, रिटायरिंग रूमों इत्यादि के वातानुकूलन के लिए भी उत्तरदायी हैं। इसके अतिरिक्त सभी विद्युतीकृत स्टेशनों पर बिजली सप्लाई, स्टेशन, गाड़ी एवं आवासीय कालोनी के लिए पानी के पम्पों की देख–रेख भी बिजली विभाग द्वारा की जाती है।

बिजली विभाग को दो शाखाओं में बांटा गया है–

1. **बिजली सामान्य सेवायें।**
2. **कर्षण।**

बिजली विभाग के मुखिया प्रमुख मुख्य बिजली इंजीनियर होते हैं। वह उत्तर पश्चिम रेलवे के बिजली निरीक्षक भी हैं जो भारत सरकार द्वारा नामित किये गये हैं। मुख्य बिजली इंजीनियर के अधीन दो वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के अधिकारी (मुख्य चल शक्ति इंजीनियर एवं मुख्य बिजली जनरल इंजीनियर), उप मुख्य बिजली इंजीनियर तथा अन्य कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के अधिकारी, वरिष्ठ वेतनमान एवं कनिष्ठ वेतनमान के अधिकारी होते हैं जो मुख्यालय के अतिरिक्त मंडल एवं कारखानों में नियुक्त होते हैं।

बिजली विभाग का कार्यक्षेत्र निम्न प्रकार है :–

मंडल :– अजमेर, बीकानेर, जयपुर एवं जोधपुर
कारखानाः– अजमेर, बीकानेर, जोधपुर एवं ईपीआर/अजमेर

नेटवर्क

उत्तर पश्चिम रेलवे अपने 556 स्टेशनों पर बिजली की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए चार राज्यों (राजस्थान, गुजरात,हरियाणा एवं पंजाब) की बिजली वितरण कम्पनियों से बिजली क्रय करता है। यहॉ आवश्यक बिजली भार की पूर्ति के लिए कुल 115 डीजी सेट भी लगाये हुए हैं।

उपभोक्ता

उत्तर पश्चिम रेलवे के प्रमुख बिजली उपभोक्ताओं में रेलवे इन्सटोलेशन, स्टेशन, कारखाना, कर्मचारी आवास एवं कालोनियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त कुछ बाहरी पार्टियां यथा रिफ्रेशमेंट रूम, स्टेशन वैण्डर, जीआरपी इत्यादि जो कि रेलवे परिसर में कार्यरत हैं को भी बिजली सप्लाई दी जाती है।